पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

सीता का रोल मिलना नहीं था आसान

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 122 ■ मंगलवार 21 जुलाई 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play

GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A.

Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

जंतर-मंतर पर हो रहे विरोध प्रदर्शन को समर्थन

कैम्प-3 में भारी बारिश के बावजूद शांतिपूर्ण धरना

उल्हासनगर. दिल्ली में जंतर-मंतर पर चल रहे स्टूडेंट प्रोटेस्ट को सपोर्ट देने के लिए, उल्हासनगर-3 में छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर अलग-अलग सोशल ऑर्गनाइज़ेशन, सोशल एक्टिविस्ट, स्टूडेंट, महिलाओं और अलग-अलग पॉलिटिकल पार्टियों के ऑफिस के लोगों की मिली-जुली मौजूदगी में भारी बारिश में शांति से धरना दिया गया। भारी बारिश के बावजूद, बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और प्रोटेस्ट में अपनी मर्ज़ी से हिस्सा लिया।

यह प्रोटेस्ट मशहूर साइंटिस्ट सोनम वांगचुक और अभिजीत दीपके के सपोर्ट में किया गया था। प्रोटेस्ट के दौरान, मौजूद लोगों ने शांति से नारे लगाए और स्टूडेंट्स की जायज़ मांगों के लिए अपना सपोर्ट जताया। इस मौके पर शिवाजी रगड़े, बंडू देशमुख, भगवान भालेराव समेत कई सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, स्टूडेंट्स, महिलाएं और नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे।

सामाजिक कार्यकर्ता शिवाजी रगड़े ने कहा कि उल्हासनगर में कई सामाजिक संगठन, अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों के कार्यकर्ता और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और अभिजीत दीपके की अगुवाई में चल रहे स्टूडेंट विरोध को सपोर्ट करने के लिए एक साथ आए हैं। उन्होंने दिल्ली पुलिस द्वारा सोनम वांगचुक को विरोध स्थल से हटाए जाने की घटना की निंदा की।

■ केंद्र सरकार की पालिसी की आलोचना

आंदोलन के दौरान, बंडू देशमुख ने केंद्र सरकार की पॉलिसी की आलोचना की। उन्होंने कहा, "देश में स्टूडेंट्स के साथ लगातार नाइंसाफी हो रही है। NEET जैसे एग्जाम में पेपर लीक होने से ईमानदार स्टूडेंट्स को नुकसान हो रहा है। प्रोटेस्ट के आखिर में, लोगों ने मांग की कि केंद्र सरकार स्टूडेंट्स के मुद्दों पर तुरंत फैसले ले, एग्जाम सिस्टम में ट्रांसपेरेंसी लाए, पेपर लीक रोकने के लिए सख्त कानूनी कदम उठाए और स्टूडेंट्स की जायज मांगों पर पॉजिटिव तरीके से विचार करे।

प्रेमी की हत्या कर प्रेमिका फरार

- ■ शव को बोरी में भरकर बाथरूम में छुपाया
- ■ आरोपी महिला ने वाइस मैसेज भेजकर मकान मालिक को दी हत्या की जानकारी

कल्याण. मानपाड़ा पुलिस स्टेशन क्षेत्र स्थित मलंग रोड की नीलकंठ सोसायटी में फिल्मी स्टाइल में की गयी सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक महिला ने अपने प्रेमी की हत्या कर शव को बोरी में भरकर बाथरूम में पानी के नल के नीचे रख दिया और खुद कोलकाता फरार हो गई। घटना की जानकारी तब हुई जब महिला ने मकान मालिक को वाइस मैसेज भेजकर हत्या की जानकारी दी और शव का निपटारा करने का अनुरोध किया।

जानकारी के अनुसार, नीलकंठ सोसायटी के फ्लैट नंबर 104 से पिछले करीब ढाई महीने से लगातार पानी बहकर कॉरिडोर में आने की शिकायत सोसायटी के निवासियों ने मकान मालिक अजय पाटिल से की थी। इसके बाद उन्होंने महिला किराएदार से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला, जिससे उनका शक गहरा गया। इसी दौरान मकान मालिक को आरोपी महिला का एक वाइस मैसेज मिला। बताया जा रहा है कि उसमें महिला ने अपने प्रेमी की हत्या करने और शव के बाथरूम में पड़े होने की बात कही। साथ ही शव को ठिकाने लगाने का अनुरोध भी किया। यह संदेश मिलते ही मकान मालिक ने तुरंत मानपाड़ा पुलिस स्टेशन पहुंचकर पूरी जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और फ्लैट का दरवाजा खोलकर जांच की। बाथरूम में बोरी के अंदर एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच में मृतक के सिर पर धारदार हथियार से कई वार किए जाने की पुष्टि हुई है। पुलिस को आशंका है कि हत्या के बाद रक्त के निशान और अन्य सबूत मिटाने के लिए बाथरूम का नल लगातार चालू रखा गया था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

■ पुलिस की 3 विशेष टीमें कोलकाता रवाना

जांच में यह भी सामने आया है कि वारदात के बाद आरोपी महिला कोलकाता भाग गई है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन विशेष टीमें रवाना कर दी गई हैं। फिलहाल हत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। मानपाड़ा पुलिस प्रेम संबंध, निजी विवाद सहित सभी संभावित पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। इस दिल दहला देने वाली वारदात से डोंबिवली और कल्याण क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

जीजामाता कालोनी में कलवट का काम घटिया दर्जे का -भारत गंगोत्री

- ■ उपमहापौर अमर लुंड के कार्यप्रणाली पर उठे सवाल
- ■ जीजामाता कालोनी में बारिश से हुए थे बाढ़ के हालात
- ■ पैनल 17 में विकास कार्य हुए ठप्प, स्थानीय जनता में रोष
- ■ ठेकेदार मनमानी तरीके से कर रहा कार्य

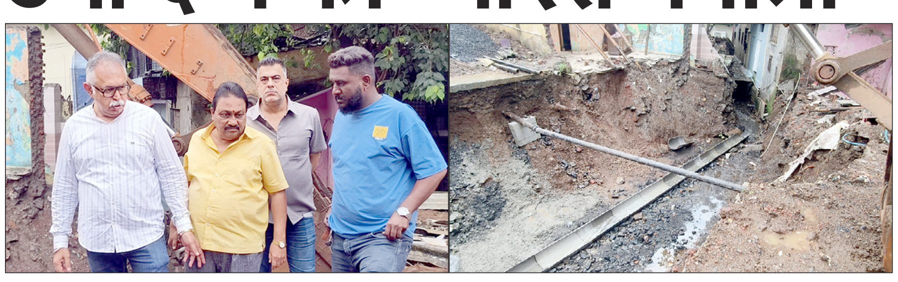

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा के पैनल 17 जीजामाता कालोनी में भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बन गए थे इस तरह का हालात न हो इसलिए आनन फानन में वहां के नगरसेवक व उपमहापौर अमर लुंड ने यहां पर कलवट का काम शुरू कराया और ऐसे ठेकेदार को दिया जो घटिया दर्जे का कार्य कर रहा है। यहां के निवासियों ने इसकी शिकायत पूर्व नगरसेवक व राकांपा जिलाध्यक्ष भारत गंगोत्री राजवानी से की। श्री गंगोत्री ने तुरंत घटनास्थल का दौरा किया और कलवट के घटिया दर्जे के काम को तुरंत रोकने की मांग की क्योंकि अगर इस तरह के कलवट में छोटे पाइप डाले जाएंगे तो भविष्य में यहां दोबारा बाढ़ आएगी। श्री गंगोत्री ने उपमहापौर पर आरोप लगाए कि पैनल 17 में समस्याओं को अनदेखा किया जा रहा है। लोग हमारे पास शिकायत लेकर आ रहे हैं भाजपा द्वारा जो वादे किए थे वो एक भी पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने अमर लुंड को निकम्मा उपमहापौर बताया है क्योंकि जिस पैनल को हमने समस्या मुक्त किया था उन्होंने समस्याओं से ग्रस्त कर दिया। वहीं जीजामाता कालोनी स्थानीय निवासियों ने भी मांग की है कि ठेकेदार मनमानी तरीके से कार्य कर रहा है। उपमहापौर अमर लुंड के कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए जा रहे हैं क्योंकि इन 6 माह में यहां की जनता आक्रोशित है क्योंकि उनका मानना है कि इससे पूर्व यहां पर ऐसी परेशानी नहीं हुई थी नालों की सफाई व पानी की समस्या देखने नहीं मिली लेकिन अब समस्या गंभीर हो गई है। स्थानीय निवासियों ने उपमहापौर अमर लुंड से पद से इस्तीफा देने को कहा है और कहा कि जो वार्ड को नहीं संभाल पा रहा वो शहर को क्या संभालेंगे। जीजामाता कालोनी के निवासियों ने तुरंत इसे सुधारने की मांग की है।

बिजली का करंट लगने से युवक की मौत

उल्हासनगर. उल्हासनगर-5 स्थित ओटी सेक्शन गणपति मंदिर के पास रविवार रात 9.30 बजे सड़क पार कर रहे 26 वर्षीय कुमार सबरअली की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। जानकारी मिली है कि वो सड़क के पास से गुजर रहा था कि वहां रोड पर लगे बिजली के खंभे पर उसका हाथ लग गया जहां उसे जोरदार बिजली का झटका लगने से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने महावितरण की लापरवाही के कारण इस घटना को बताया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सेंट्रल अस्पताल भेज दिया गया है। लेकिन महावितरण के खिलाफ पुलिस में कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई है।

'पेंड्या भाई' मर्डर केस 36 घंटे में सुलझा

- ■ 3 गिरफ्तार
- ■ कल्याण क्राइम ब्रांच ने की गिरफ्तारी
- ■ गर्लफ्रेंड के सामने चाकू से 16 वार

16 गर्लफ्रेंड भी गंभीर रूप से घायल

कल्याण. कल्याण क्राइम ब्रांच ने कल्याण पूर्व के आदिवली इलाके में हुए 'पेंड्या भाई' मर्डर केस को सिर्फ़ 36 घंटे में सुलझा लिया है। अर्जुन कल्पांडे उर्फ़ पेंड्या भाई की उसकी गर्लफ्रेंड के सामने ही 16 बार चाकू मारकर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। हमलावरों ने उसकी गर्लफ्रेंड को भी चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। इस हत्या के बाद मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में हत्या का केस दर्ज किया गया था। पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे के मार्गदर्शन में क्राइम ब्रां, यूनिट 3 ने जांच शुरू की। घटनास्थल से CCTV फुटेज, टेक्निकल एनालिसिस और गुप्त जानकारी के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई। जब यह पता चला कि आरोपी भागने की तैयारी कर रहा है, तो क्राइम ब्रांच ने जाल बिछाया और तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के नाम अविनाश लल्लन झा, कल्पेश माधवी और करण गायकवाड़ हैं और एक और आरोपी की तलाश की जा रही है। शुरुआती जांच में पता चला है कि यह हत्या पुराने झगड़े की वजह से की गई थी। फिलहाल, इन सभी आरोपियों को आगे की कार्रवाई के लिए मानपाड़ा पुलिस को सौंप दिया गया है।

नाले में मिली नामी कंपनी की दूध की थैलियां

अंबरनाथ. अंबरनाथ में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक नामी कंपनी का दूध और दूध से बने प्रोडक्ट्स नाले में फेंक दिए गए। कल्याण-बदलापुर रोड पर एक खुले नाले में बड़ी मात्रा में ये थैलियां मिलने से लोगों में हड़कंप मच गया है, और अब यह गंभीर सवाल उठ रहा है कि क्या यह दूध मिलावटी था।

स्थानीय लोगों को पता चला कि कल्याण-बदलापुर मेन रोड पर रिलायंस पेट्रोल पंप के इलाके में सड़क के बगल में एक खुले नाले के चैंबर में बड़ी संख्या में एक नामी दूध कंपनी के दूध, दही और छाछ की थैलियां फेंकी गई हैं। स्थानीय लोग ज़ोर देकर मांग कर रहे हैं कि संबंधित हेल्थ डिपार्टमेंट इस गंभीर मामले पर तुरंत ध्यान दे।

युवक की गोली लगने से मौत

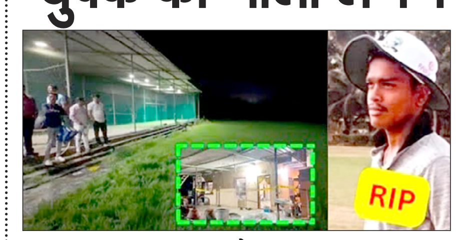

बदलापुर. सागांव में 25 वर्षीय युवक की गोली लगने से संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान अंबरनाथ के दुर्गा पाडा निवासी भुवन पाटील के रूप में हुई है। यह घटना शनिवार शाम माउंटेन व्यू जिमखाना परिसर में सामने आई, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। कुलगांव पुलिस ने मामले में आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि यह आत्महत्या है या इसके पीछे कोई आपराधिक साजिश है।

पुलिस के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज में भुवन गोली लगने के बाद घायल अवस्था में परिसर से बाहर आते दिखाई दे रहे हैं। फुटेज में वह अपने पास मौजूद हथियार को दूर फेंकते हुए भी नजर आ रहे हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन उससे पहले परिजन उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल का पंचनामा कर सीसीटीवी फुटेज कब्जे में ले लिया है और केयर टेकर सहित अन्य लोगों से पूछताछ की जा रही है।

महापालिका की एंबुलेंस नेटवर्क एरिया से बाहर!

- ■ शिवसेना पार्षद ने महापौर-आयुक्त से की शिकायत

उल्हासनगर. एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है कि मनपा की 8 एंबुलेंस के मोबाइल नंबर से संपर्क नहीं हो रहा है। इस घटना से मनपा की इमरजेंसी सर्विस पर विवाद होने की संभावना है।

मनपा ने मरीज़ों के लिए 8 एंबुलेंस ली हैं। लेकिन कई बार संपर्क करने पर पता चलता है कि मोबाइल नंबर कवरेज एरिया से बाहर हैं. इस गंभीर मामले को शिवसेना के वार्ड नंबर 7 के पार्षद दुर्गा प्रसाद राय ने सामने लाया है। मनपा द्वारा गूगल पर जारी किए गए एंबुलेंस नंबर मौजूद नहीं होने का जवाब मिल रहा है। इस वजह से गरीब मरीज़ों के रिश्तेदारों को एंबुलेंस के लिए ज़्यादा पैसे देने पड़ रहे हैं। इसलिए राय ने मांग की है कि मनपा मरीज़ों को परेशानी से बचाने के लिए तुरंत मोबाइल सिस्टम कार्यान्वित करे।

इस बीच, एंबुलेंस की ज़िम्मेदारी मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट को सौंप दी गई है। इस बारे में डिपार्टमेंट के डिप्टी कमिश्नर अनंत जवादवार से संपर्क करने की कोशिश सफल नहीं हो सकी।

'नंबर प्रकाशित करें'

महापौर अश्विनी कमलेश निकम ने डेवलपमेंट के कामों और अस्पतालों में लोगों की दिक्कतों को हल करने के लिए अपना मोबाइल नंबर पब्लिश किया है। इसलिए, राय ने महापौर अश्विनी निकम और कमिश्नर मनीषा अव्हाले से विनती की है कि वे महापौर की तरह गरीबों के लिए एम्बुलेंस हेल्पलाइन नंबर भी प्रकाशित करें।

उल्हासनगर क्राइम ब्रांच ने शातिर चोर पकड़ा

- ■ भायखला में की थी 11 लाख की चोरी

उल्हासनगर. मुंबई के भायखला इलाके में हुई लाखों रुपये की घरफोड़ चोरी का खुलासा करने में उल्हासनगर क्राइम ब्रांच यूनिट-4 को बड़ी सफलता मिली है। इस पूरी कार्रवाई की सबसे अहम कड़ी बने हेड कॉन्स्टेबल गणेश गावड़े, जिन्हें अपने विश्वसनीय मुखबिर से मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया और 10 लाख 90 हजार 261 रुपये मूल्य के 86 ग्राम 320 मिली वजन के सोने के आभूषण बरामद किए। 18 जुलाई 2026 को पता चला कि भायखला में घर में चोरी करने वाला आरोपी उल्हासनगर-1 स्थित अमरडाय कंपनी के पास आने वाला है। सूचना मिलते ही पुलिस निरीक्षक राजेश गज्जल के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच यूनिट-4 की टीम ने तत्काल जाल बिछाया और आरोपी को हिरासत में ले लिया।

रोजगार मेले में 250 युवाओं को मिला रोजगार

- ■ 750 युवाओं ने लिया भाग

उल्हासनगर. उल्हासनगर भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में रविवार 19 जुलाई को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन पर भव्य रोजगार मेले का सुबह 10 से दोपहर 4 बजे तक आयोजन किया गया था जहां करीब 750 से ज्यादा युवक युवतियों ने भाग लिया जिसमें से 250 युवा आवेदकों को जगह पर ही नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वधरिया के मार्गदर्शन में आयोजित इस मेले में भाजपा पदाधिकारियों की मौजूदगी में सुनियोजित तरीके से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। भाग लेने वाले सभी आवेदकों ने भाजपा का आभार प्रकट किया।

अंबरनाथ में सोनम वांगचुक के समर्थन में मोर्चा

- ■ विद्यार्थी, आम आदमी और तृतीय पंथी हुए मोर्चे में शामिल
- ■ तहसील कार्यालय पर गया मोर्चा

अंबरनाथ. अंबरनाथ में सोनम वांगचुक के समर्थन में विद्यार्थी सेना एवं अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं ने तहसील कार्यालय पर मोर्चा निकाला. इस मोर्चे में तृतीय पंथी भी शामिल हुए. दिल्ली में काकरोच जनता पार्टी के साथ कई दिनों से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस उठाकर ले गई और अस्पताल में भर्ती कराया. उसके निषेध में अंबरनाथ शिवाजी चौक से तहसील कार्यालय तक मोर्चा निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे. मोर्चे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं अमित शाह और शिक्षा मंत्री के खिलाफ नारेबाजी की गई. मोर्चे में शामिल लोगों ने अपने हाथों में प्ले बोर्ड उठाए थे, जिस पर लिखा था, धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो, छात्रों के भविष्य से खेलना बंद करो, तानाशाही नहीं चलेगी, छात्रों की सुरक्षा का सवाल है. सोनम वांगचुक को जिस तरह से पुलिस उठाकर ले गई, उसे लोकतंत्र का गला घोटना बताया गया. योगेश चलवादी ने कहा कि ये श्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की तानाशाही है. ये तानाशाही अब नहीं चलेगी. छात्रों की बातों को सरकार को सुनना पड़ेगा. उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा के पेपर लीक होने से लाखों विद्यार्थियों का नुकसान हुआ है. इसके लिए शिक्षण मंत्री जवाबदार हैं. नितिन इनकर ने कहा कि सोनम वांगचुक के सम्मान में ये मोर्चा निकाला गया है. सरकार को युवकों के बातों को सुनना पड़ेगा. नलावड़े ने कहा कि पुलिस वालों ने छात्रों पर दिल्ली में लाठीचार्ज किया है. उसका वह निषेध व्यक्त करते हैं. इस मोर्चे में योगेश चलवादी, नितिन इनकर, नूर रहमान, सलीम खान, राकांपा शहराध्यक्ष, राकांपा (शप) शहराध्यक्षा आदि उपस्थित थे.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. - वाल्मीकि

उल्हास विकास
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

गरीब मरीजों की अनदेखी कब तक?

चिकित्सा पेशे की सबसे बुनियादी और प्राथमिक शर्त यही होनी चाहिए कि एक चिकित्सक किसी घायल व्यक्ति का बिना किसी औपचारिकता की मांग किए तुरंत इलाज करे और सबसे पहले उसका जीवन बचाने की कोशिश करे। विडंबना यह है कि कई बार अस्पताल और वहां मौजूद डाक्टर घायल मरीज को तुरंत उपचार मुहैया कराने के बजाय टालमटोल करते हैं या फिर मना कर देते हैं। नतीजतन, सिर्फ इलाज न मिलने की वजह से बच सकने वाले व्यक्ति की भी मौत हो जाती है।

सवाल है कि ऐसी स्थिति में पीड़ित की मौत के लिए किसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी। गौरतलब है कि बीते मार्च में बलात्कार की शिकार हुई महज चार साल की एक बच्ची को बुरी तरह घायल अवस्था में गाजियाबाद के दो निजी अस्पतालों में ले जाया गया, लेकिन वहां उसे भर्ती करने से मना किया गया। आखिरकार इसी वजह से उसकी जान चली गई। सवाल है कि जघन्य अपराध का शिकार हुई पीड़ित बच्ची को तुरंत उपचार मुहैया कराना डाक्टरों ने जरूरी क्यों नहीं समझा? ऐसे में बच्ची की मौत के लिए आखिर उन अस्पतालों और वहां मौजूद डाक्टरों को भी जिम्मेदार क्यों नहीं माना जाए?

इस मामले में बीते शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने अस्पतालों और डाक्टरों को कड़ी फटकार लगाते हुए तल्ख टिप्पणी की कि अगर आप अपनी ड्यूटी नहीं निभा सकते, तो आपको डाक्टर कहलाने का कोई हक नहीं है। अदालत ने यह भी पूछा कि क्या आपने इसलिए नजरअंदाज किया कि पीड़ित बच्ची गरीब थी और आपकी फीस नहीं दे सकती थी? शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी इस घटना के बहाने बड़े फलक के सवाल उठाती है।

यह शिकायत आम है कि निजी अस्पतालों में किसी मरीज के इलाज के बजाय पैसे को ज्यादा अहमियत दी जाती है और गरीब तबकों के लोगों को वहां उपेक्षा या खराब व्यवहार का सामना करना पड़ता है। मगर बलात्कार जैसे गंभीर अपराध का शिकार और घायल होने की स्थिति के बावजूद अगर बच्ची का इलाज करने से मना किया गया, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि उन अस्पतालों के प्रबंधक और डाक्टर कितने संवेदनहीन रहे होंगे। चिकित्सा पेशे से जुड़े सभी लोगों और संस्थानों को सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के आलोक में अपनी ड्यूटी और उपयोगिता के बारे में ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ विचार करने की जरूरत है।

विमर्श

पहचान के संकट से जूझता पाकिस्तान

हाल में खबर आई कि 79 वर्ष का पाकिस्तान पांच हजार वर्ष पुरानी सभ्यता से अपना संबंध जोड़ रहा है। सिंधु सभ्यता, तक्षशिला, पाणिनि और संस्कृत का संबंध खुद से बता रहा है।

पाकिस्तान अपनी उन मिसाइलों के नाम बदलने पर भी विचार कर रहा है, जो उसने मुस्लिम आक्रांताओं के नाम पर रखे। उसने अपनी मिसाइलों के नाम गजनवी, गोरी, बाबर, अब्दाली रखा है। ये सभी तुर्क और अफगान लुटेरे थे, जिन्होंने बार-बार भारत पर हमला किया।

पाकिस्तान भारत को आहत करने के लिए अफगान और मध्य एशियाई तुर्क लुटेरों एवं आक्रांताओं को अपने राष्ट्रीय नायक के रूप में प्रस्तुत करता है, जबकि इन आक्रांताओं ने सर्वाधिक आक्रमण वर्तमान पाकिस्तान के हिस्से पर ही किया।

इस वर्ष के प्रारंभ में पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने लाहौर के कुछ इलाकों के पुराने हिंदू और सिख नाम वापस रखने का प्रस्ताव दिया था। जैसे कि इस्लामपुर का नाम फिर से कृष्ण नगर और बाबरी मस्जिद चौक का नाम जैन मंदिर चौक प्रस्तावित था, लेकिन कट्टरपंथियों के विरोध के कारण त्याग दिया।

ऐतिहासिक रूप से पाकिस्तान की सामाजिक, सांस्कृतिक, भाषाई और प्रजातीय रूप में भारत से एकरूपता रही है। इसके बाद भी वह अपनी पहचान मध्य एशिया और तुर्क देशों से जोड़ता रहा है। बड़ा सवाल यही है कि क्या आज पाकिस्तान अपने अतीत को स्वीकार कर रहा है और राष्ट्र निर्माण की गलतियों को ठीक करने की कोशिश कर रहा है?

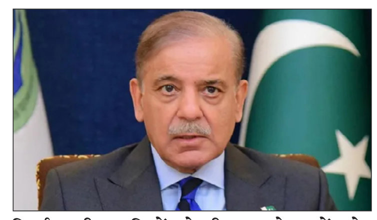

आजादी के बाद भारत पंथनिरपेक्ष और आधुनिक राष्ट्र बना तथा अपनी तार्किक और सर्वसमावेशी विचारधारा के आधार पर समाज के सभी वर्गों को साथ जोड़कर राष्ट्र बनने में सफल रहा। वहीं पाकिस्तान पंथक इस्लामी गणराज्य बना और पंथ पर जोर देने के कारण राष्ट्र निर्माण में सफल नहीं हुआ। वहां मजहब और भाषा के आधार पर भेदभाव प्रारंभ हुआ, जिससे शिया-सुन्नी विवाद, अहमदिया, हजारा, सिंधी और बलूच समुदाय स्वयं को अलग महसूस करने लगे।

1971 में पूर्वी पाकिस्तान अलग हो बांग्लादेश बन गया। भारत में लोकतंत्र एक जीवन पद्धति के रूप में विकसित हुआ, वहीं पाकिस्तान में लोकतंत्र प्रारंभ से ही असफल हो गया और सैनिक, कट्टरपंथी शक्तियों ने भय और अविश्वास का माहौल बनाकर सत्ता अपने हाथ में लेते रहे। इससे पाकिस्तान में लोकतंत्र निचले स्तर तक प्रभावी नहीं हो पाया।

भारत में संवाद और सह-अस्तित्व के माध्यम से समस्या का समाधान ढूंढ़ा गया, जिससे एक उदार वर्ग विकसित हुआ। पाकिस्तान में कट्टरपंथी और सैन्य शक्तियों के हाथ में शक्ति होने से उदार वर्ग का विकास नहीं हो पाया। इससे वहां आधुनिक और प्रगतिशील शक्तियां प्रभावी नहीं हो पाईं।

मानवीय सभ्यता के विकास क्रम में भारतीय उपमहाद्वीप में एक अद्वितीय सभ्यता का विकास हुआ, जिसमें ज्ञान, विज्ञान और श्रेष्ठ सांस्कृतिक तत्व विकसित हुए। सिंधु सभ्यता के कई महत्वपूर्ण क्षेत्र वर्तमान पाकिस्तान में हैं और इसी क्षेत्र में श्रेष्ठ वैदिक सभ्यता का विकास हुआ। छठी शताब्दी ईसा पूर्व के दो प्रमुख महाजनपद गांधार और कंबोज आज के पाकिस्तान के क्षेत्र में थे।

आधुनिक पेशावर और रावलपिंडी के क्षेत्र में फैले गांधार की राजधानी तक्षशिला थी, जो शिक्षा और व्यापार का महान केंद्र थी। सम्राट अशोक के कई अभिलेख आज पाकिस्तान के क्षेत्र में हैं, जो सहिष्णुता और शांति का उपदेश देते हैं। महात्मा बुद्ध के उपदेश से जुड़े स्थल आज के पाकिस्तान के कई क्षेत्रों में विद्यमान हैं। महाराजा रणजीत सिंह की राजधानी लाहौर राजनीतिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बिंदु थी। वर्तमान पाकिस्तान के क्षेत्र में ही नाथ पंथ सहित कई धार्मिक विचारों का जन्म हुआ।

यदि पाकिस्तान वास्तव में अपने अतीत को पहचानना चाहता है तो उसे इंडोनेशिया से सीखना चाहिए। इंडोनेशिया जनसंख्या में दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम देश है, लेकिन अपने अतीत के हिंदू धर्म और संस्कृति को दैनिक जीवन और राष्ट्रीय पहचान में स्वीकार करता है।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

हमें अपनी ओर से पूरा प्रयास करना चाहिए और यह विश्वास रखना चाहिए कि प्रभु हमारी संभाल करेंगे।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

संवाद की जगह बल प्रयोग क्यों?

भारत समेत दुनिया भर में अनशन के जरिए व्यवस्था में बदलाव लाने की कोशिशें इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं। आजादी के बाद देश के संविधान में अभिव्यक्ति के अधिकार को शामिल किया गया, जिसमें शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन की अनुमति का भी प्रावधान है। संविधान देश के हर नागरिक को यह इजाजत देता है कि वह शासन-प्रशासन, संस्था या किसी समूह की नीतियों और निर्णयों को लेकर कानून के दायरे में रहकर अपना असंतोष प्रकट कर सकता है। ऐसे में सवाल है कि क्या किसी व्यक्ति को अनशन करने से जबरन रोका जा सकता है?

मामला तब और भी संवेदनशील, गंभीर और महत्त्वपूर्ण हो जाता है, जब अनशन देश की व्यवस्था में सुधार के मुद्दे पर केंद्रित हो। दिल्ली में जंतर-मंतर पर पिछले बीस दिन से अनशन कर रहे जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को पुलिस द्वारा शनिवार को जबरन अस्पताल में भर्ती करा देने की घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

दरअसल, नीट में गड़बड़ियों को लेकर काकरोच जनता पार्टी (काजपा) की ओर से जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। प्रदर्शनकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की मांग कर रहे हैं। सोनम वांगचुक ने इस मांग के समर्थन में अनशन शुरू किया था।

उम्मीद की जा रही थी कि सरकार प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर समाधान का कोई रास्ता निकालेगी, लेकिन इसके विपरीत पुलिस ने वांगचुक को जबरन अस्पताल में भर्ती करा दिया। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या सरकार को असल में वांगचुक के स्वास्थ्य की फिक्र है या फिर यह सब आंदोलन की आवाज को दबाने के प्रयास का हिस्सा है?

देश में ऐसी कई घटनाओं के उदाहरण हैं, जब सरकार या उसके प्रतिनिधियों ने आंदोलनकारियों से बातचीत कर उन्हें भरोसे में लेकर अनशन समाप्त कराया है। फिर क्या वजह है कि इस मामले में सरकार को प्रदर्शनकारियों से संवाद की अब तक कोई जरूरत ही महसूस नहीं हुई और अनशन को बलपूर्वक समाप्त कराने की कोशिश को ही प्राथमिकता दी गई।

यह सच है कि सोनम वांगचुक के लगातार अनशन से उनकी सेहत बिगड़ रही थी, लेकिन जिस उद्देश्य के लिए उन्होंने यह कदम उठाया, क्या सरकार के लिए उसका कोई महत्त्व नहीं है? नीट की परीक्षाओं में पर्चालीक और अन्य तरह की गड़बड़ियां अब किसी से छिपी नहीं हैं और सरकार ने भी इसे स्वीकार किया है। ऐसे में अगर युवा वर्ग शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहा है, तो यह सरकार के लिए अप्रासंगिक या महत्त्वहीन विषय कैसे हो सकता है?

अनशन के मसले पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने निर्देश में कहा था कि जीवन अनमोल है और वांगचुक के स्वास्थ्य की निगरानी होनी चाहिए। पुलिस अब उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने के लिए इसी निर्देश का हवाला दे रही है।

मगर इस आलोक में सर्वोच्च न्यायालय के वर्ष 2024 के एक फैसले पर गौर करना भी जरूरी है, जिसमें कहा गया था कि भूख हड़ताल पर बैठे किसी शख्स की जिंदगी की हिफाजत करना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन साथ में यह भी सुनिश्चित करना होगा कि असहमति जताने के अधिकार में कोई बाधा न आए। जाहिर है, अगर किसी शांतिपूर्ण आंदोलन की आवाज को सुनने के बजाय उसे दबाने का प्रयास किया जाएगा, तो यह लोकतंत्र के लिए किसी आघात से कम नहीं होगा।

जापान का कारनामा! इंसानों के लिए बनाई फ्रिज

जरा हट के

जापान ने एक अनोखा और व्यावहारिक आविष्कार किया है जिसे 'ह्यूमन फ्रिज' या 'Do Reimon Box' नाम दिया गया है. जापानी कंपनी TRUSCO Nakayama Corporation द्वारा विकसित यह पोर्टेबल कूलिंग बूथ इंसान को फ्रिज की तरह ठंडा करने का काम करता है.

यह बूथ स्टेनलेस स्टील से बना एक सिंगल-पर्सन कूलिंग केबिन है. इसके अंदर एक कुर्सी है. व्यक्ति अंदर बैठकर दरवाजा बंद कर लेता है. फिर सिस्टम शरीर के मुख्य हिस्सों जिसमें गर्दन, छाती, पीठ और पैर शामिल है, पर तेज ठंडी हवा फेंकता है. पूरा कमरा ठंडा करने की बजाय यह टारगेटेड कूलिंग करता है, जिससे मात्र 5 से 10 मिनट में शरीर का तापमान काफी हद तक कम हो जाता है.

बेहद काम का अविष्कार

कंपनी के अनुसार यह डिवाइस निर्माण स्थलों,

फैक्टरियों, गोदामों और किसी भी आउटडोर वर्कप्लेस पर आसानी से लगाया जा सकता है. इसमें बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत नहीं है. बस बिजली कनेक्शन काफी है. जापान में जहां गर्मी और नमी का कॉम्बिनेशन बेहद खतरनाक होता है, वहां यह मजदूरों के लिए लाइफ सेविंग साबित हो रहा है. हीट स्ट्रेस और हीटस्ट्रोक से हर साल हजारों कामगार प्रभावित होते हैं. लक्षण शुरू होते हैं थकान, चक्कर, उल्टी से और गंभीर मामलों में मौत तक हो सकती है. Do Reimon Box इसी समस्या का सीधा समाधान है.

काम के बीच में 10 मिनट का ब्रेक लेकर अंदर बैठने से शरीर रिचार्ज हो जाता है और काम की क्षमता बढ़ जाती है. ट्रस्को नाकायामा कॉर्पोरेशन के अधिकारी ने बताया कि यह आविष्कार लंबे समय की रिसर्च का नतीजा है. उन्होंने मजदूरों की जरूरतों को ध्यान में रखकर इसे डिजाइन किया है. बूथ काफी कॉम्पैक्ट है, आसानी से एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा सकता है. अंदर रोशनी, आरामदायक सीट और सेफ्टी फीचर्स भी दिए गए हैं. जापान में पहले से ही कई कंपनियां इस बूथ का इस्तेमाल कर रही है. रिपोर्ट्स के अनुसार मजदूरों ने फीडबैक दिया है कि 10 मिनट बाद वे तरोताजा महसूस करते हैं.

सांभर

सामग्री:

- अरहर दाल- 1 कप
- सब्जियां- 1.5 कप (सहजन, कद्दू, गाजर, और लौकी)
- छोटे प्याज- 8-10
- टमाटर- 1 बड़ा
- इमली का पल्प- 3-4 बड़े चम्मच
- हल्दी पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच
- सांभर मसाला- 2 बड़े चम्मच
- राई- 1 छोटा चम्मच
- सूखी लाल मिर्च- 2-3
- कढ़ी पत्ता- 10-12
- हींग- 1/4 छोटा चम्मच
- कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- तेल या घी- 2 बड़े चम्मच
- नमक- स्वादानुसार
- गुड़- 1 छोटा टुकड़ा

विधि:

सबसे पहले अरहर दाल को अच्छी तरह धोकर कुकर में डालें। इसमें हल्दी, थोड़ा सा नमक और 3 कप पानी डालकर 3 से 4 सीटी आने तक पका लें। जब कुकर का प्रेशर अपने आप निकल जाए, तो मथानी की मदद से दाल को अच्छी तरह मैश कर लें और स्मूथ बना लें। अब एक बड़े पतीले या कड़ाही में एक चम्मच तेल गरम करें और इसमें कटे हुए प्याज डालकर 2 मिनट भूनें।

इसके बाद टमाटर और बाकी सभी कटी हुई सब्जियां डाल दें और थोड़ा सा नमक और एक कप पानी डालकर सब्जियों को ढक दें और तब तक पकाएं जब तक कि सब्जियां सॉफ्ट न हो जाएं। जब सब्जियां पक जाएं, तो इसमें इमली का पल्प, सांभर मसाला, कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर और गुड़ का टुकड़ा डालें और इसे धीमी आंच पर 5 मिनट तक उबलने दें। अब इस उबलते हुए मिश्रण में पहले से मैश की हुई दाल को डाल दें और सभी चीजों को अच्छी तरह मिलाएं। अगर सांभर बहुत गाढ़ा लग रहा हो, तो थोड़ा गरम पानी मिला लें।

अब सांभर को धीमी आंच पर 8-10 मिनट के लिए उबलने दें ताकि सारे फ्लेवर एक-दूसरे में अच्छी तरह मिल जाएं। अब तड़के के लिए एक छोटे तड़का पैन में घी गरम करें और इसमें राई डालें। जब राई चटकने लगे, तब सूखी लाल मिर्च, हींग और कढ़ी पत्ता डालें। कढ़ी पत्ते के क्रिस्पी होते ही इस तड़के को तुरंत उबलते हुए सांभर में डालें और पतीले को 2 मिनट के लिए ढक दें। गरमा-गरम और बेहद स्वादिष्ट साउथ इंडियन स्टाइल सांभर बनकर तैयार है।

ये गलतियां भी बिगाड़ रही हैं बॉडी पोश्चर

आज ही करें सुधार

आजकल कमर दर्द, गर्दन जकड़न और झुके हुए कंधे सिर्फ गलत सोने की पोजिशन की वजह से नहीं होते, बल्कि दिनभर की हमारी छोटी-छोटी आदतें भी रीढ़ की हड्डी के पोश्चर को बिगाड़ देती हैं। अगर समय रहते इन गलतियों को न सुधारा जाए तो भविष्य में स्लिप डिस्क, सर्वाइकल पेन, कमर दर्द और चलने-फिरने में परेशानी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए सिर्फ सही तरीके से सोना ही नहीं, बल्कि पूरे दिन सही पोश्चर बनाए रखना भी बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं वे आम गलतियां जो आपकी रीढ़ की सेहत को नुकसान पहुंचा रही हैं।

किन गलतियों की वजह से बिगड़ रहा है बॉडी पोश्चर?

लंबे समय तक गलत तरीके से बैठना- ऑफिस, स्टडी या मोबाइल इस्तेमाल करते समय लोग अक्सर कुर्सी पर झुककर बैठते हैं। पीठ को सपोर्ट न मिलना, कमर झुकाकर बैठना और स्क्रीन की ओर गर्दन झुकाना स्पाइन पर एक्स्ट्रा प्रेशर डालता है। इससे रीढ़ का नेचुरल कर्व बिगड़ने लगता है और धीरे-धीरे दर्द की समस्या बढ़ जाती है।

मोबाइल और लैपटॉप का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल- लगातार गर्दन झुकाकर फोन देखने से 'टेक नेक' की समस्या बढ़ रही है। इससे गर्दन की हड्डियों पर दबाव पड़ता है और पोश्चर बिगड़ता है। लैपटॉप को आंखों के लेवल से नीचे रखकर काम करना भी रीढ़ के

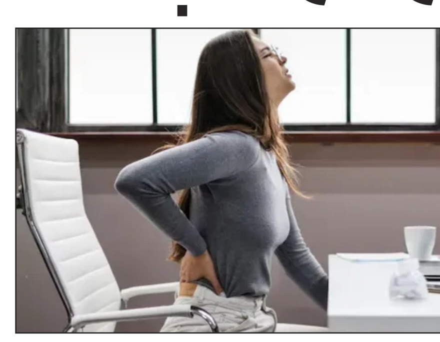

लिए नुकसानदायक है।

गलत तरीके से वजन उठाना- झुककर भारी सामान उठाना या अचानक झटका देना कमर की हड्डियों को नुकसान पहुंचा सकता है। सही तरीका यह है कि घुटनों को मोड़कर, पीठ सीधी रखते हुए वजन उठाया जाए।

एक कंधे पर भारी बैग टांगना- स्कूल बैग, ऑफिस बैग या पर्स को हमेशा एक ही कंधे पर टांगने से शरीर का बैलेंस बिगड़ता है। इससे रीढ़ एक तरफ झुकने लगती है और असमान दबाव पड़ता है, जिससे दर्द और टेढ़ापन आ सकता है।

फिजिकल एक्टिविटीज की कमी- लंबे समय तक बैठकर काम करना और एक्सरसाइज न करना मसल्स को कमजोर बना देता है। कमजोर मसल्स स्पाइन को सही सपोर्ट नहीं दे पातीं, जिससे पोश्चर खराब होने लगता है।

गलत फुटवियर पहनना- बहुत ज्यादा हील्स या बिल्कुल फ्लैट चप्पल लंबे समय तक पहनने से शरीर का पोश्चर प्रभावित होता है। इससे कमर और घुटनों पर दबाव बढ़ता है, जो रीढ़ को भी प्रभावित करता है।

तनाव और गलत बॉडी पोस्चर- तनाव में लोग अक्सर कंधे सिकोड़कर बैठते या चलते हैं। यह आदत भी धीरे-धीरे पोश्चर खराब करती है और मसल टेंशन बढ़ाती है।

सही पोश्चर के लिए जरूरी टिप्स...

- कुर्सी पर बैठते समय पीठ सीधी रखें और कमर को सपोर्ट दें।
- मोबाइल आंखों के लेवल पर रखें।
- हर 30-40 मिनट में स्ट्रेचिंग करें।
- रोजाना हल्की एक्सरसाइज और योग करें।
- वजन उठाते समय सही तकनीक का पालन करें।

आज का राशिफल

मेष : आय में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में सुख-शांति रहेगी। जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

वृषभ : पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें। निवेश शुभ रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा।

मिथुन : आय में निश्चितता रहेगी। शत्रुभय रहेगा। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कर्क : प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद में न पड़ें। अपेक्षाकृत कार्य समय पर होंगे। प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यस्तता रहेगी। प्रमाद न करें। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी.

सिंह : परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे। निवेश शुभ फल देगा। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या : मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। समय की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। अपने काम पर ध्यान दें। लाभ होगा।

तुला : मेहनत अधिक व लाभ कम होगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। शत्रुओं की पराजय होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है।

वृश्चिक : जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। निवेश लाभदायक रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यस्तता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता बनी रहेगी।

धनु : व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। जोखिम बिलकुल न लें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। बड़ा काम करने का मन बनेगा। झंझटों से दूर रहें। कानूनी अड़चन का सामना करना पड़ सकता है। फालतू खर्च होगा।

मकर : बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। आशंका-कुशंका रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है।

कुंभ : व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय होगी। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचित व्यक्तियों पर अंधविश्वास न करें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। संतुष्टि नहीं होगी।

मीन : उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। कारोबारी सौदे बड़े हो सकते हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा, सावधानी रखें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बेहद स्वादिष्ट, नर्म और थोड़ा महंगा होता है देसी परवल

पहचानने में न खाएं धोखा

बिहार एक ऐसा राज्य है, जहां की कृषि में काफी विविधता देखने को मिलती है. खास बात ये है कि यहां भिन्न-भिन्न प्रकार के अनाजों के साथ-साथ भिन्न-भिन्न प्रकार की सब्जियों की खेती भी खूब होती है. इनमें परवल का नाम भी शामिल है. परवल की खेती चंपारण जिले में भी खूब होती है. चंपारण के बाजारों में दो तरह के परवल देखने को मिलते हैं, एक देसी तो दूसरा बाहरी. किसान बताते हैं कि देसी परवल कई मायनों में बाहरी परवल से अलग और ज्यादा अच्छा होता है. पूर्वी चंपारण जिले के हरसिद्धि प्रखंड अंतर्गत पन्नापुर गांव के किसान शंकर प्रसाद ने भी लगभग डेढ़ एकड़ जमीन में परवल की खेती की है और मौजूदा समय में अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं.

मिलती है अधिक कीमत

किसान शंकर प्रसाद बताते हैं कि देसी परवल चंपारण के बाजारों में हमेशा ही बाहरी परवल से 10 रुपये अधिक बिकता है और इसकी मांग भी काफी अधिक होती है. वे बताते हैं कि इसकी मांग पूर्वी चंपारण और पश्चिमी चंपारण दोनों जिलों में ही काफी अधिक होती है. वे इसकी अन्य खासियत भी बताते हैं. उनके अनुसार, देसी परवल थोड़ी नर्म होती है और इसकी सब्जी भी बाहरी परवल की अपेक्षा ज्यादा स्वादिष्ट होती है. उनका कहना है कि शहरी ग्राहक बंधु अगर कुछ बातों पर गौर करें तो आसानी से देसी परवल को पहचान सकते हैं.

ऐसे करें अंतर

वे बताते हैं कि देसी परवल को पहचानना काफी आसान है. उनके अनुसार, देसी परवल गहरे हरे रंग का होता है. इसकी मुख्य पहचान ये है कि ये थोड़ा गोल भी होता है. जहां तक बात बाहरी परवल की है, तो वो थोड़ा लंबा होता है. किसान शंकर प्रसाद का कहना है कि देसी परवल की खेती किसानों के लिए काफी फायदेमंद है, क्योंकि इसकी मांग हमेशा ही बनी रहती है.

काफी नर्म होता है

वे देसी परवल की कीमत की भी चर्चा करते हैं. वे बताते हैं कि मौजूदा समय में देसी परवल 4000 रुपये प्रति क्विंटल के थोक भाव से बिक रहा है. उनके अनुसार, चंपारण के बाजारों में देसी परवल 50 रुपये किलो के अधिकतम खुदरा भाव में बिक रहा है. वे बताते हैं कि देसी परवल काफी नर्म होता है. इसलिए इसका भुजिया और चोखा भी काफी स्वादिष्ट होता है.

बारिश में फ्रिज में रखी ये चीजें भी जल्दी हो सकती हैं खराब

अगर फ्रिज का तापमान सही न हो, दरवाजा बार-बार खोला जाए या खाना ठीक से स्टोर न किया जाए, तो कई चीजें सामान्य दिनों की तुलना में जल्दी खराब होने लगती हैं. इसलिए मानसून में सिर्फ फ्रिज पर भरोसा करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह जानना भी जरूरी है कि कौन-सी चीजें सबसे ज्यादा

डेयरी प्रोडक्ट

दूध, दही, पनीर और अन्य डेयरी उत्पाद भी मानसून में जल्दी खराब हो सकते हैं. तापमान में थोड़ा-सा उतार-चढ़ाव भी इनमें बैक्टीरिया की संख्या बढ़ा सकता है. अगर दूध से खट्टी गंध आने लगे, दही में पानी अलग हो जाए या पनीर चिपचिपा महसूस हो, तो उसे खाने से बचना चाहिए.

सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियां, जैसे पालक, धनिया, मेथी और पुदीना भी नमी की वजह से जल्दी खराब होती हैं. इन्हें धोकर सीधे फ्रिज में रखने से पत्तियों पर अतिरिक्त नमी रह जाती है, जिससे फफूंद लगने की संभावना बढ़ जाती है. इन्हें अच्छी तरह सुखाकर पेपर टॉवल या सूखे कपड़े में लपेटकर स्टोर करना ज्यादा सुरक्षित तरीका माना जाता है.

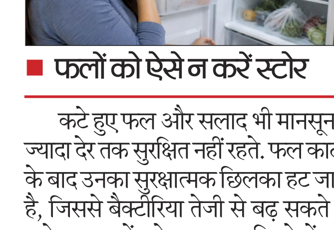

फलों को ऐसे न करें स्टोर

कटे हुए फल और सलाद भी मानसून में ज्यादा देर तक सुरक्षित नहीं रहते. फल काटने के बाद उनका सुरक्षात्मक छिलका हट जाता है, जिससे बैक्टीरिया तेजी से बढ़ सकते हैं. कटे हुए फलों को एयरटाइट डिब्बे में रखें और 24 घंटे के भीतर खाना बेहतर होता है.

बचा हुआ खाना

इसके अलावा बची हुई सब्जी, दाल, चिकन, मछली और अन्य पका हुआ खाना भी फ्रिज में रखने के बावजूद लंबे समय तक सुरक्षित नहीं रहता. इन्हें छोटे एयरटाइट कंटेनर में रखें, बार-बार गर्म और ठंडा करने से बचें और 2-3 दिन के भीतर उपयोग कर लें. अगर खाने से अजीब गंध आए, रंग बदल जाए या उसकी बनावट सामान्य न लगे, तो उसे फेंक देना ही समझदारी है. मानसून में फूड सेफ्टी का सबसे आसान नियम है कि फ्रिज का तापमान 4°C या उससे कम रखें, फ्रीजर को -18°C के आसपास बनाए रखें, जरूरत से ज्यादा सामान न भरें.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

हाईवे पर कैंटर ने बाइक को रौंदा; चाचा और भतीजों की मौत, अमरोहा में दर्दनाक हादसा

अमरोहा. अमरोहा जिले में बिजनौर-बदायूं स्टेट हाईवे पर भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार युवक और उसके दो भतीजों की मौत हो गई। हादसे के बाद कैंटर अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से टकराते हुए खेत में पलट गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, जबकि घायल चालक और हेल्पर को मंडी धनौरा सीएचसी में भर्ती कराया गया। मंडी धनौरा के मोहल्ला कटरा निवासी 35 वर्षीय सरफराज उर्फ छोटू (पुत्र मुस्ताक) बैंड पार्टी संचालित करता था। रविवार शाम वह भतीजे 23 वर्षीय कासिम (पुत्र मुमताज) और 25 वर्षीय शारिक (पुत्र सरताज) के साथ बाइक से घर लौट रहा था।

खिड़की के रास्ते स्कूल में घुसा कोबरा, प्रधानाध्यापिका को डसा, हालत गंभीर

मैनपुरी. यूपी के मैनपुरी जिले में कंपोजिट विद्यालय में खिड़की के रास्ते कोबरा सांप स्कूल में घुस गया। कक्षा में मौजूद प्रधानाध्यापिका की नजर पर सांप पर पड़ी तो वह उसे भगाने लगी। इसी दौरान कोबरा ने प्रधानाध्यापिका के अंगुली में डंस लिया, जिससे शिक्षिका बेहोश होकर गिर गई। इसके बाद सांप भाग गया। गंभीर हालत में शिक्षिका को सैफई मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। घटना से स्कूल के बच्चों में दहशत फैल गई है।

घटना सोमवार सुबह 10:30 बजे की है। कस्बा के मोहल्ला वनखंडेश्वर निवासी ममता दीक्षित कंपोजिट विद्यालय इकहरा में प्रधानाध्यापक के पद पर तैनात है। वह सुबह स्कूल में पढ़ा रही थी। तभी उनकी नजर स्कूल की खिड़की पर पड़ी। खिड़की के रास्ते से एक सांप स्कूल के अंदर आ रहा था। यह देख उन्होंने भाग कर खिड़की बंद करने की कोशिश की। तभी सांप ने उनकी उंगली में काट लिया। जिससे वह झटका खाकर गिर पड़ी। जानकारी मिलते ही स्कूल स्टाफ और परिवार के लोगों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से हालत गंभीर होने पर सैफई मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया।

पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी समर्थकों को जंतर-मंतर से हटाया

- **CJP बोली- पुलिस ने निहत्थों को पीटा**
- **संसद मार्च में भी लाठीचार्ज, आंसू गैस छोड़ी**

नई दिल्ली. कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलनकारियों को जंतर-मंतर से हटा दिया गया है। पुलिस ने मंच खाली करा लिया है और टेंट भी निकाल दिए हैं। प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर के बाद कनॉट प्लेस से भी खदेड़ दिया गया है। इस दौरान पुलिस ने जबरदस्त लाठीचार्ज भी किया।

उधर, सीजेपी का दावा है कि अभिजीत दीपके को हिरासत में ले लिया गया है। हालांकि, बाद में पुलिस और CJP दोनों ने इस बात से इनकार कर दिया। सोमवार सुबह 8 बजे से शुरू हुए प्रदर्शन में पुलिस के लाठीचार्ज और झड़प में कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए। मामला तब बढ़ गया, जब आंदोलनकारी सुबह 10 बजे बैरिकेड तोड़कर पार्लियामेंट की तरफ बढ़े। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इसके बाद प्रदर्शनकारी संसद के करीब पहुंच गए।

प्रदर्शनकारियों ने संसद में घुसने की कोशिश की। इसे देखते हुए संसद की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मेन गेट को बंद कर दिया गया। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। पुलिस के एक्शन के बाद इसके बाद भीड़ तितर-बितर हो गई। जब बाहर ये हंगामा चल रहा था उस वक्त पीएम समेत सभी सांसद संसद में मौजूद थे। इस पूरे घटनाक्रम के बीच कॉकरोच जनता पार्टी के प्रतिनिधि जेपी नड्डा से मिले। इनका दावा है कि नड्डा ने उन्हें यह भरोसा दिलाया है कि जंतर-मंतर और उसके आस-पास अब कोई कार्रवाई नहीं होगी।

जेपी नड्डा ने शेयर की तस्वीर, बातचीत शुरू करने का जिक्र

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जयप्रकाश नड्डा ने एक्स पर ट्वीट करते हुए इसकी जानकारी देते हुए लिखा- "आज सुबह पहली बार प्रदर्शनकारियों की ओर से सरकार के साथ बातचीत करने का प्रस्ताव आया और सुबह 11:50 AM से ही हमारी बातचीत जारी है। सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुलाकात हुई। उनके डेलीगेशन के साथ विस्तार से पहले मौखिक चर्चा हुई और उनके द्वारा लगभग 4 बजे मुझे लिखित याचिका दी गई।"

मैं अपना अनशन जारी रखूंगा...

कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने आज घोषणा की कि वह तब तक अपना अनशन जारी रखेंगे, जब तक युवा नेताओं को संसद में सांसदों से मिलने की अनुमति नहीं मिल जाती या वे दिल्ली के उस अस्पताल में नहीं आ जाते, जहां उन्हें भर्ती कराया गया है। वांगचुक के इंस्टा अकाउंट से हाथ से लिखा एक नोट शेयर किया गया है, जिसपर सोनम वांगचुक के हस्ताक्षर हैं। नोट में लिखा है, ₹मैं अपना अनशन जारी रखूंगा (दिन 23)। शांतिपूर्ण ढंग से विरोध प्रदर्शन कर रहे युवाओं के साथ जिस क्रूरता से व्यवहार किया जा रहा है, उसे देखते हुए मैंने फैसला किया है कि मैं अपना अनशन तब तक जारी रखूंगा जब तक युवा नेताओं को संसद भवन में सांसदों से मिलने की अनुमति नहीं मिल जाती या मुझे यहां अस्पताल में उनसे मिलने की अनुमति नहीं मिल जाती।₹

कनॉट प्लेस समेत कई जगहों पर पथराव-तोड़फोड़

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की अपील पर सोमवार को दिल्ली में आयोजित 'संसद मार्च' के दौरान जमकर बवाल हुआ। सुबह जहां प्रदर्शनकारी हंगामा करते हुए संसद भवन के बेहद करीब तक पहुंच गए तो शाम होते-होते कई जगहों से हिंसा की तस्वीरें भी सामने आईं। दिल्ली का दिल कहे जाने वाले कनॉट प्लेस में भीड़ हिंसक हो गई और जमकर तोड़फोड़ करती नजर आई। वहीं, फिरोज शाह रोड पर भी पुलिस पर पथराव किया गया। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करते हुए प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने की कोशिश की। अभिजीत दीपके समेत सीजेपी के अधिकतर नेता जहां जंतर-मंतर पर ही मौजूद रहे तो उनके समर्थक संसद की ओर बढ़ने लगे। पुलिस की बैरिकेडिंग तोड़ते हुए प्रदर्शनकारी संसद भवन के बेहद नजदीक तक पहुंच गए। रेल भवन के पास बवाल होने के बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और भीड़ को खदेड़ा।

कनॉट प्लेस पर जुटे प्रदर्शनकारी, तोड़फोड़ भी की

संसद मार्ग, कर्तव्य पथ समेत संवेदनशील इलाकों से खदेड़े गए प्रदर्शनकारी कनॉट प्लेस के पास जाकर एकत्रित हो गए। पालिका बाजार, रीगल सिनेमा, सेंट्रल पार्क जैसे इलाकों में हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी नारेबाजी करने लगे। यहां से पुलिस लगातार उन्हें हटाने का प्रयास करती रही। इस बीच कुछ उपद्रवियों ने पुलिस को निशाना बनाकर पथराव शुरू कर दिया। पुलिस की गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई। पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और हल्का बल प्रयोग करते हुए प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने की कोशिश की।

चढ़ावा चोरी, पेपर लीक को लेकर संसद में हंगामा

- **खड़गे बोले- जंतर-मंतर पर लाठीचार्ज से बच्चों की आवाज दबा रही सरकार**

नई दिल्ली. मानसून सत्र के पहले दिन विपक्ष के हंगामे के चलते कार्यवाही नहीं चल पाई। लोकसभा और राज्यसभा को छह बार स्थगित करना पड़ा। विपक्षी सांसद नीट पेपर लीक, राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर चर्चा की मांग कर रहे थे। कुछ सांसद पोस्टर-बैनर लेकर सदन के अंदर आए।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में जंतर-मंतर पर हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन पर चर्चा की। खड़गे ने कहा- जंतर-मंतर पर बच्चे इकट्ठा हुए, उनकी आवाज को दबाया जा रहा। सरकार ने उन पर लाठीचार्ज किया।

उधर हंगामे के बीच लोकसभा में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल पेश किया।

दिन में सबसे पहले मोदी ने संसद के हंस द्वार पर मीडिया को 15 मिनट संबोधित किया। पीएम ने कहा- मानसून हो या मानसून सत्र, अगर दोनों प्रो-एक्टिव हों तो बहुत ही प्रोडक्टिव होते हैं। संसद में तर्क के साथ चर्चा हो।

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल ऑर्डिनेंस की जगह लेगा

लोकसभा में सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) संशोधन विधेयक पेश, 2026 पेश किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में जजों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़ाकर 38 (मुख्य न्यायाधीश सहित) की जाएगी। यह बिल मई में जारी ऑर्डिनेंस की जगह लेगा।

मोदी की संसद के बाहर स्पीच...

- **संसद में सार्थक चर्चा जरूरी:** संसद में सार्थक चर्चा होना, मिलजुलकर देश को आगे ले जाने की चर्चा होना आज के वक्त की मांग है। तर्क-तथ्य के साथ सदन की चर्चा को मजबूत किया जाए, हर आवाज को सम्मान मिले। मैं सभी सांसदों को सदन में चर्चा के लिए निमंत्रण देता हूं।
- **देश में पहली हाइड्रोजन ट्रेन शुरू:** पिछले दिनों राजस्थान में सबसे बड़ी रिफाइनरी देश को समर्पित की गई। कुछ दिन पहले ग्रीन हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन शुरू की। दुनिया के कुछ देशों में ही ये ट्रेन चल रही है। भारत की ये ट्रेन सबसे ताकतवर और सबसे लंबी है।
- **संकट के बीच भारत मजबूत रहा:** लगातार कहीं न कहीं विपरीत स्थितियां बनती रही हैं। पश्चिम एशिया का युद्ध संकट का कारण रहा। पेट्रोल, डीजल, फर्टिलाइजर्स का संकट आया, लेकिन भारत 7.7% की विकास दर बढ़ने वाला देश रहा।
- **मानसून हो या सत्र, प्रोडक्टिव रहें:** मानसून हो या मानसून सत्र, अगर दोनों प्रो-एक्टिव हों तो बहुत ही प्रोडक्टिव होते हैं। इससे देश का कल्याण होता है। इसलिए हम यही प्रार्थना करते हैं कि मानसून और मानसून सत्र प्रोडक्टिव रहे।

एक इस्तीफा भी नहीं ले सकते, मोदी - राहुल का निशाना

नई दिल्ली. लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने PM नरेंद्र मोदी को देश के इतिहास का सबसे युवा-विरोधी प्रधानमंत्री करार दिया है और कहा है कि वह एक नाकाम शिक्षा मंत्री का इस्तीफा तक नहीं ले सकते हैं। संसद के दोनों सदनों में हंगामे और कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) की अगुवाई में युवाओं के संसद मार्च के बीच राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उनकी सरकार में 152 पेपर लीक के मामले हुए। इससे 7.5 करोड़ छात्र पीड़ित हुए लेकिन सज़ा एक दोषी को भी नहीं मिल सकी।

त्रिपुरा DGP ऑफिस में मृत मिले, सुसाइड की आशंका

- **1994 बैच के IPS, UP के रहने वाले थे**
- **1984 के सिख विरोधी दंगों की जांच की थी**

बागपत. यूपी के रहने वाले त्रिपुरा के डीजीपी अनुराग धनखड़ का शव मिला है। सोमवार सुबह वह पुलिस मुख्यालय में अचेत मिले। अधिकारियों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, अनुराग धनखड़ ने सुसाइड किया है। उनका शव फिलहाल अगरतला के गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल में रखा गया है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर जांच कर रही हैं।

अनुराग धनखड़ 1994 बैच के IPS अफसर थे और बागपत के रहने वाले थे। इन्होंने 1984 के सिख विरोधी दंगों की जांच की थी।

25 साल पहले बागपत आए थे अनुराग धनखड़

अनुराग धनखड़ बागपत शहर से करीब 7 किलोमीटर दूर बिहारीपुर गांव के रहने वाले थे। वह करीब 25 साल पहले आखिरी बार गांव आए थे। गांव में उनका पैतृक मकान है, लेकिन गेट पर ताला लगा है। गांववालों ने बताया कि उनके परिवार का कोई सदस्य अब यहां नहीं रहता।

गांव के प्राइमरी स्कूल में पढ़े थे अनुराग

- डीजीपी अनुराग धनखड़ के परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी हैं। अनुराग के बड़े भाई रमेश कुमार नेवी से रिटायर हैं। जबकि, छोटे भाई रवि कुमार किसान हैं। अनुराग ने 5वीं तक की पढ़ाई गांव के प्राइमरी स्कूल से की थी। फिर 12वीं सरूरपुर इंटर कॉलेज से किया। इसके बाद बड़ौत डिग्री कॉलेज से ग्रेजुएशन किया था।
- डीजीपी अनुराग धनखड़ के मित्र रमेश कुमार ने बताया- हम दोनों 12वीं तक साथ में पढ़े हैं। अनुराग वॉलीबॉल के अच्छे खिलाड़ी थे। ग्रेजुएशन के बाद वह दिल्ली चले गए थे।

भारत में पहली डेंगू वैक्सीन QDENGA को मंजूरी

- **बिना किसी जांच के 4 से 60 साल तक के लोग ले सकेंगे डोज, देश में ही बनेगी**

नई दिल्ली. भारत में पहली बार डेंगू की वैक्सीन को मंजूरी मिल गई है। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) ने ताकेदा बायोफार्मास्यूटिकल्स इंडिया की वैक्सीन QDENGA को बाजार में इस्तेमाल की अनुमति दे दी है।

कंपनी के मुताबिक, यह वैक्सीन चार से 60 साल तक के लोगों को लगाई जा सकेगी। इसे लगवाने से पहले यह जांच कराने की जरूरत नहीं होगी कि व्यक्ति पहले कभी डेंगू से संक्रमित हुआ था या नहीं।

भारत में मिली मंजूरी ताकेदा के वैश्विक क्लीनिकल डेवलपमेंट प्रोग्राम के आधार पर दी गई है। इसके तहत फेज-I, फेज-II और फेज-III के कुल 19 क्लीनिकल ट्रायल किए गए, जिनमें 28 हजार से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया।

QDENGA की दो डोज दी जाती हैं। प्रत्येक डोज 0.5 मिलीलीटर की होती है और त्वचा के नीचे इंजेक्शन के जरिए लगाई जाती है। दोनों डोज के बीच तीन महीने का अंतर रखा जाता है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-यूपी सरकार दोबारा SIT बनाए

- **राममंदिर चढ़ावा चोरी**
- **IPS अफसर को मिले जिम्मा, मामले का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए**

अयोध्या. राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सोमवार दोपहर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- SIT का फिर से गठन किया जाए, जिनमें कुछ सीनियर विशेषज्ञ हों, IPS अधिकारी को जांच टीम की अगुवाई करें, ताकि जांच किसी निर्णायक स्तर तक पहुंचे

इससे पहले SG तुषार मेहता ने कहा- कोर्ट के आदेश के मुताबिक, हमने स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर दी है। जांच चल रही है। 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

CJI ने पूछा- क्या मौजूदा SIT जांच कर रही है? SG ने कहा- पुलिस जांच कर रही है। उनका कहना है कि यह संज्ञेय अपराध (cognizable offense) का मामला बनता है। CJI ने पूछा- SIT का गठन कैसा है? क्या यह वही है? जांच अधिकारी कौन है? क्या जांच के लिए कोई SIT है? इस पर SG ने कहा- नहीं। CJI ने कहा- हम 3-4 दिन बाद इस पर सुनवाई करेंगे। हम इस रिपोर्ट को देखना चाहेंगे।

इससे पहले, स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) ने रविवार देर रात जांच की स्टेटस रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल कर दी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सौंपी गई है। इससे पहले 13 जुलाई को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यूपी, केंद्र सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने SIT से स्टेटस रिपोर्ट मांगी थी।

दरअसल, चढ़ावा चोरी से जुड़ी चार अलग-अलग याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई हैं। इनमें जांच CBI को सौंपने के अलावा मंदिर में दान के प्रबंधन से जुड़े अलग-अलग विषयों की समीक्षा के लिए एक्सपर्ट कमेटी बनाने की मांग की गई है।

वहीं, सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा- आज अफसोस है कि राम मंदिर में चंदा चोरी और चढ़ावा चोरी हुई है। यह करोड़ों की चोरी है।भाजपा के लोग असल मुजरिमों को बचाना चाहते हैं।

स्पेन ने 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप जीता

- **फाइनल में अर्जेंटीना को 1-0 से हराया**
- **फेरन टोरेस ने एक्स्ट्रा टाइम में गोल दागा**

स्पेन ने 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया। उसने न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में 2022 की चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। स्पेन के लिए फेरन टोरेस ने एक्स्ट्रा टाइम में गोल किया। स्पेन दूसरी बार फीफा वर्ल्ड चैंपियन बना है। उसने पहली बार 2010 में नीदरलैंड को हराकर यह ट्रॉफी जीती थी।

मार्टिनेज ने 105 मिनट तक अकेले लड़ाई लड़ी

अगर यह मुकाबला 105 मिनट तक बराबरी पर रहा तो इसकी सबसे बड़ी वजह अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज थे। स्पेन पूरे मैच में लगातार अटैक करता रहा। कभी लामिन यमाल ने बॉक्स के बाहर से शॉट लगाया, कभी ओयारजबाल ने मौका बनाया तो कभी पेड्री और निको विलियम्स गोल के करीब पहुंचे। हर बार मार्टिनेज ने खुद को गेंद और गोलपोस्ट के बीच खड़ा कर दिया।

एंजो का रेड कार्ड... और यहीं पलट गया फाइनल

अर्जेंटीना 90 मिनट तक किसी तरह मुकाबले में बनी रही। ऐसा लगा कि टीम मैच को पेनल्टी शूटआउट तक ले जाना चाहती थी, लेकिन इंजरी टाइम में एंजो फर्नांडिज ने ऐसी गलती कर दी, जिसने पूरी बाजी पलट दी।

पाउ क्यूबार्सी पर टैकल के बाद रेफरी ने एंजो को दूसरा यलो कार्ड दिखाया। यह उनका मैच का दूसरा यलो कार्ड था। इस तरह उनके दो यलो कार्ड, रेड कार्ड में कन्वर्ट हो गए। उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा और अर्जेंटीना 10 खिलाड़ियों के साथ रह गई। इसके बाद स्पेन ने गेंद पर और ज्यादा कब्जा जमा लिया।

यमाल ने मेसी की चमक फीकी कर दी

यह फाइनल एक तरह से दो पीढ़ियों का मुकाबला भी था। एक तरफ 39 साल के लियोनेल मेसी थे, दूसरी ओर 20 साल के लामिन यमाल। मेसी से उम्मीद थी कि वे एक बार फिर बड़े मैच में कमाल कर दिखाएंगे, लेकिन स्पेन की मिडफील्ड और डिफेंस ने उन्हें कभी खुलकर खेलने का मौका ही नहीं दिया। दूसरी ओर यमाल लगातार अर्जेंटीना के डिफेंस पर हमला करते रहे।

मेरिनो चूके... टोरेस ने इतिहास लिख दिया

103वें मिनट में निको विलियम्स ने ऐसा क्रॉस डाला, जिसे देखकर स्पेनिश फैंस जश्न मनाने को तैयार हो गए थे। मिकेल मेरिनो को लगभग खाली गोल मिला, लेकिन उनका हेडर बाहर चला गया।

तीन मिनट बाद वही निको विलियम्स फिर बाएं फ्लैंक से पहुंचे। इस बार उन्होंने बैक पोस्ट पर हेडर से गेंद फेरन टोरेस के सामने गिराई। फेरन टोरेस ने बिना एक पल गंवाए दाएं पैर से ऐसा शॉट लगाया कि गेंद सीधे नेट में जा समाई।

ईरान बोला- अमेरिकी सैनिकों का इंतजार कर रहे हैं

खार्ग आइलैंड पर कब्जे की कोशिश की, तो कोई जिंदा बचकर नहीं जाएगा

तेहरान. ईरान ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उसने खार्ग आइलैंड पर कब्जे की कोशिश की तो उसके सैनिक जिंदा वापस नहीं लौट पाएंगे।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की खार्ग आइलैंड पर कब्जे से जुड़े बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ईरान में ऐसे लोग हैं जो अमेरिकी सैनिकों के आने का इंतजार कर रहे हैं। खार्ग आइलैंड और उसके आसपास सामना करने के लिए पूरी तैयारी है।

खार्ग आइलैंड फारस की खाड़ी में बुशहर प्रांत के तट से करीब 55 किलोमीटर दूर स्थित है। यह ईरान के तेल निर्यात का सबसे बड़ा केंद्र है और रणनीतिक रूप से देश की सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा परिसंपत्तियों में गिना जाता है।

ईरान का जॉर्डन, कुवैत और ओमान में अमेरिकी ठिकानों पर हमलाः IRGC ने कहा कि उसने जॉर्डन, कुवैत, ओमान समेत कई देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर बड़े हमले किए हैं। साथ ही चेतावनी दी कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कुवैत में डिसेलिनेशन प्लांट पर दो दिनों में दूसरी बार हमलाः कुवैत के बिजली उत्पादन और वॉटर डिसेलिनेशन संयंत्र पर फिर हमला हुआ, जिससे कई बिजली उत्पादन इकाइयों में आग लग गई। मंत्रालय ने घटना की पुष्टि करते हुए राहत कार्य जारी होने की जानकारी दी।

ईरान बोला- अमेरिका ने परमाणु संयंत्र को निशाना बनायाः ईरान के एटॉमिक एनर्जी ऑर्गनाइजेशन (AEOI) ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने खुजेस्तान प्रांत में बन रहे डारखोविन परमाणु ऊर्जा संयंत्र की साइट पर हमला किया है।

ईरान में बिजली संकट गहरायाः अमेरिकी हमलों और भीषण गर्मी के बीच ईरान में बिजली संकट बढ़ गया है। तेहरान समेत कई इलाकों में रोज बिजली कटौती हो रही है, जिससे आम जनजीवन और पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

5. इराक होर्मुज पर निर्भरता घटाने की तैयारी मेंः इराक ने बसरा से तुर्किये और सीरिया तक नई तेल पाइपलाइन बिछाने की योजना पर काम शुरू किया है। इसका उद्देश्य तेल निर्यात के लिए होर्मुज पर निर्भरता कम करना है।

नर्स को लगा दिया जहर का इंजेक्शन

मेरठ. यूपी के मेरठ से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक शख्स ने शादी से बचने के लिए नर्स को जहर का इंजेक्शन लगाकर मौत के घाट उतार दिया। नर्स नेहा की हत्या के लिए सुरेश पांच दिन से मौका तलाश रहा था। आरोपी लगातार जहर का इंजेक्शन लेकर घूम रहा था। शनिवार को जब ओटी में आरोपी को मौका मिला तो ड्रिप लगाने के बहाने इसी इंजेक्शन को ड्रिप के साथ मिला दिया और नर्स की हत्या कर दी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज चेक की तो पता चला कि घटना के समय ओटी में आरोपी सुरेश और फरमान भी थे। सुरेश दस्ताने पहनकर ओटी से बाहर आते भी दिखा था और बाद में कुछ सामान को अस्पताल के डस्टबिन में फेंका था।

जिपलाइन राइड के दौरान सेफ्टी लॉक खुला

- **पर्यटक 40 फीट नीचे गिरा, हाथ-पैरों में कई फ्रैक्चर**
- **परिवार ने रिजॉर्ट प्रबंधन पर लगाए आरोप**

कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के एक एडवेंचर रिजॉर्ट में जिपलाइन राइड के दौरान सेफ्टी लॉक हवा में खुल गया। इससे पर्यटक करीब 40 फीट नीचे गिर गया। यह पूरी घटना मौके पर मौजूद लोगों के कैमरे में कैद हो गई।

पर्यटक की पहचान विजयपुरा निवासी कुबेर सुरपुर के रूप में हुई है। हादसे में कुबेर के हाथ और पैरों में कई फ्रैक्चर हुए हैं। इसके अलावा उन्हें नसों में भी गंभीर चोट आई है। घटना के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

- **परिवार ने प्रबंधन पर आरोप लगाए**

हादसे के बाद कुबेर के परिवार ने रिजॉर्ट प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया और जवाबदेही तय कर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि जिपलाइन का सेफ्टी लॉक हवा में ही खुल गया, जिससे यह हादसा हुआ।

परिजनों का यह भी आरोप है कि जिपलाइन में जंग लगा हुआ था और उसका सही तरीके से रखरखाव नहीं किया गया था। उनका कहना है कि यदि समय पर उपकरणों की जांच और रखरखाव किया गया होता, तो यह हादसा टाला जा सकता था।

सुरक्षा में लगे गनर के बच्चे की मां बन गई रेप पीड़िता

शादी का झांसा देकर लूटी आबरू

बांदा. रक्षक बन गया भक्षक वाली कहावत तो आपने सुनी ही होगी। ये कहावत यूपी के बांदा में चरितार्थहो गई। चर्चित रेपकांड की पीड़िता की सुरक्षा में लगे गनर ने ही पीड़िता की अस्मत लूट ली। गनर हाईकोर्ट के आदेश पर रेप पीड़िता की सुरक्षा में लगाया गया था। पीड़िता ने एसपी से शिकायत की है कि गनर ने शादी का झांसा देकर उसके साथ संबंध बनाए, जिससे वह गर्भवती हो गई। बीते दिनों उसने एक बच्चे को मेडिकल कालेज में जन्म दिया, जिसकी मौत हो गई।

एसपी ने मामले को संज्ञान में लेते हुए आरोपित गनर को ड्यूटी से हटाते हुए जांच शुरू करा दी है। 15 साल पहले जिले में एक विधायक द्वारा दुष्कर्म की घटना देशभर में सुर्खियां बनी थी। हाईकोर्ट के आदेश पर उस रेप पीड़िता की सुरक्षा के लिए एक गनर उपलब्ध कराया गया था। नरैनी क्षेत्र के एक गांव की इस पीड़िता ने सोमवार को एसपी को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि एक सिपाही काफी समय से उसकी सुरक्षा में तैनात है।

उल्हास विकास
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संक्षेप...

ठाणे स्टेशन की कैंटीन में गंदगी का आरोप

ठाणे. शिवसेना सांसद नरेश म्हास्के ने ठाणे रेलवे स्टेशन में खानपान की व्यवस्था करने वाले ठेकेदार के खिलाफ खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। म्हास्के के कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, उन्होंने मध्य रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक को सौंपे ज्ञापन में कहा कि स्टेशन की कैंटीन में परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता को लेकर कई यात्रियों ने शिकायतें की हैं। मध्य रेलवे की मंडलीय रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति और शिवसेना के एक स्थानीय पदाधिकारी द्वारा किए गए निरीक्षण में यात्रियों की शिकायतें सही पाई गईं।

डोंबिवली में RTO और ट्रैफिक पुलिस की बड़ी कार्रवाई

■ **नियम तोड़ने वाली 80 से ज़्यादा गाड़ियों पर जुर्माना**

कल्याण. सब-रीजनल ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट, कल्याण और डोंबिवली ट्रैफिक डिपार्टमेंट के अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलकर डोंबिवली ईस्ट और वेस्ट इलाकों में गाड़ियों की जांच का अभियान चलाया। इस कार्रवाई में 80 से ज़्यादा रिक्शा, दोपहिया, कार और दूसरी गाड़ियों पर ई-चालान के ज़रिए कुल 62 हज़ार रुपये का जुर्माना लगाया गया।

डोंबिवली में ज़्यादातर रिक्शा ड्राइवर यूनिफॉर्म नहीं पहनते, रिक्शा स्टैंड पर नहीं रुकते, बल्कि रेलवे स्टेशन इलाके में सड़कों, चौराहों और रेलवे एंट्रेंस पर रुककर सवारियां ढोते हैं। इन सभी रिक्शा ड्राइवरों को सब-रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिसर, डोंबिवली ट्रैफिक डिपार्टमेंट के कर्मचारियों ने शुक्रवार को पकड़ा। अधिकारियों ने किसी को भी भागने का मौका दिए बिना, इन रिक्शा ड्राइवरों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत सज़ा देने वाली कार्रवाई की।

कल्याण के डिप्टी रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिसर आशुतोष बरकुल, डोंबिवली ट्रैफिक डिपार्टमेंट के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर विजय अहिरे, पुलिस सब-इंस्पेक्टर कैलास घोलप, मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर आमटे, मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर मांजरे, असिस्टेंट मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर भूसे, ड्राइवर आव्हाड की टीम ने यह एक्शन लिया। वे अचानक डोंबिवली के पूर्वी हिस्से में इंदिरा चौक, बाजीप्रभु चौक, रामनगर रिक्शा पार्किंग लॉट, पाटकर रोड, डॉ. राठ रोड इलाकों में गए। और सड़कों को ब्लॉक करने वाले और पार्किंग लॉट से निकलने वाले रिक्शा ड्राइवरों के खिलाफ एक्शन लिया। कई रिक्शा ड्राइवर यूनिफॉर्म में नहीं थे। इस वजह से इन रिक्शा ड्राइवरों पर दो हजार से पांच हजार तक का फाइन लगाया गया।

जैसे ही RTO और ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट को पता चला कि एक्शन शुरू हो गया है, जिन रिक्शा ड्राइवरों के पास अपने रिक्शा के डॉक्यूमेंट्स नहीं थे और जो यूनिफॉर्म में नहीं थे, वे पार्किंग लॉट और रेलवे स्टेशन एरिया से भागने लगे। लेकिन, एक्शन टीम ने उन्हें रोक लिया। उनके खिलाफ ई-चालान तरीके से पेनल्टी की कार्रवाई की गई।

इस ऑपरेशन के बाद टीम डोंबिवली वेस्ट आई और महात्मा फुले रोड, पंडित दीनदयाल चौक, सुभाष चौक, कोपर फ्लाईओवर इलाके में सरप्राइज इंस्पेक्शन कैंपेन चलाया। इस ऑपरेशन के दौरान कई रिक्शा चालक और दोपहिया वाहन सवार एक्शन में पकड़े गए। कुछ मोटर गाड़ी ड्राइवरों की जांच की गई। उनमें से कुछ के खिलाफ पेनल्टी की कार्रवाई की गई क्योंकि उनके पास गाड़ी के जरूरी कागज़ात नहीं थे। गाड़ी का कॉम्पिटेंसी सर्टिफिकेट नहीं था, पॉल्यूशन कंट्रोल सर्टिफिकेट एक्सपायर हो चुका था और उसे रिन्यू नहीं किया गया था, कई गाड़ी ड्राइवर यूनिफॉर्म में नहीं थे। टीम ने इंस्पेक्शन के दौरान पाया कि उनमें से कुछ के पास बैज या परमिट नहीं थे। ऑपरेशन शुरू होने के बाद रिक्शा ड्राइवरों ने सड़कें जाम कर दीं और भाग गए। इससे सड़कों पर अफरा-तफरी मच गई। रिक्शा स्टैंड पर रिक्शा ड्राइवरों का डर भी बढ़ गया था।

ठाणे से अयोध्या पहुंचीं 60 सेक्स वर्कर

■ **नई जिंदगी जीने का लेंगी आशीर्वाद**

ठाणे. ठाणे जिले से श्री साई सेवा संस्थान के साथ 60 सेक्स वर्कर सोमवार को अयोध्या पहुंचीं। ये वे महिलाएं हैं, जिन्हें संस्था ने रेड लाइट एरिया से बाहर निकालकर पुनर्वास दिलाया है। अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर उनका स्वागत किया गया। रामलला के दर्शन को लेकर महिलाओं में उत्साह देखने को मिला। संस्थान की प्रमुख स्वाती सिंह ने बताया कि यात्रा की शुरुआत सरयू स्नान से होगी। इसके बाद सभी महिलाएं नागेश्वरनाथ मंदिर और हनुमानगढ़ी में दर्शन करेंगी। अंत में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचकर रामलला के दर्शन और पूजा-अर्चना करेंगी।

भिवंडी में दूषित पानी की सप्लाई

■ **नागरिकों को होने लगीं कई तरह की बीमारियां**

■ **मनपा बांट रही क्लोरीन की गोलियां**

भिवंडी. नागरिकों ने मनपा प्रशासन से शिकायत की है कि भिवंडी शहर मनपा क्षेत्र में कई जगहों पर घरों के नलों से आने वाले गंदे और मटमैले पानी की वजह से बच्चों, स्टूडेंट्स, महिलाओं और नागरिकों को कई तरह की बीमारियां हो रही हैं. इसलिए, शहर के नागरिकों को सुरक्षित और शुद्ध पीने का पानी सुनिश्चित करने और पानी से होने वाली बीमारियों से बचाने के उद्देश्य से मनपा कर्मचारियों ने भिवंडी मनपा के स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख डॉ. संदीप गाडेकर और जलापूर्ति विभाग की मिली-जुली पहल से हर घर में क्लोरीन टैबलेट (25 mg) वॉटर प्यूरीफायर मुफ्त में बांटना शुरू कर दिया है. यह जानकारी मनपा स्वास्थ्य विभाग के हेड डॉ. गाडेकर ने दी है.

नागरिकों को पीने के पानी की 20 लीटर की बाल्टी/कंटेनर में एक क्लोरीन टैबलेट डालनी चाहिए. टैबलेट के पूरी तरह घुल जाने के बाद, कम से कम 30 मिनट बाद इसे पीने के पानी में इस्तेमाल करना चाहिए। इससे पानी में मौजूद कीटाणु खत्म हो जाते हैं और पानी सुरक्षित हो जाता है, ऐसा इस जानकारी में बताया गया है। महानगर पालिका के हेल्थ वर्कर भी नागरिकों को टैबलेट का सही तरीके से इस्तेमाल करने के तरीके के बारे में गाइड करेंगे। सभी नागरिकों को इस पहल में सहयोग करना चाहिए और इस तरह क्लोरीन टैबलेट का इस्तेमाल करना चाहिए और सुरक्षित पीने के पानी का इस्तेमाल करके अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य की रक्षा करनी चाहिए।

दिवा में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन

दिवा. दिवा में संगीतमय मय सुंदरकांड पाठ का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक वातावरण में किया गया. इस धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे। रविवार को समाजसेवी सत्यम माली द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर भगवान श्रीराम एवं हनुमान जी का स्मरण किया तथा सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। गायक टीम प्रस्तुत चौपाइयां सुन उपस्थित लोग भाव विभोर हो गए। इसके बाद आरती आदि के बाद महाप्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर अधिवक्ता बिपिन दुबे, संतोष तिवारी, परशुराम सेना के शिवम माली, रामकुमार मधुकर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ठाणे मनोरोगी अस्पताल ने 22 साल बाद परिजनों से मिलाया

ठाणे. मनोरोगी अस्पताल में हुआ सफल उपचार, अथक प्रयास और मानवीय सेवा का एक प्रेरक उदाहरण ठाणे के प्रादेशिक मनोरोगी प अस्पताल ने प्रस्तुत किया है। अस्पताल ने 22 वर्षों से परिवार से बिछड़े एक मानसिक रोगी का न केवल सफल उपचार किया, बल्कि उसे उत्तर प्रदेश स्थित उसके परिजनों से मिलाकर मानवता की मिसाल कायम की है।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार, 18 अगस्त 2017 को राबोडी क्षेत्र में एक मध्यम आयु का व्यक्ति अकेले बैठकर रोता हुआ मिला था। वह किसी से बात नहीं कर रहा था और न ही भोजन कर रहा था। राबोडी पुलिस थाने के रमेश नागराव अंभोरे और उनकी टीम ने न्यायालय के आदेश पर उसे ठाणे प्रादेशिक मनोरोग अस्पताल में भर्ती कराया।भर्ती होने के बाद मरीज ने लगातार छह वर्षों तक एक भी शब्द नहीं बोला। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नेताजी मुलीक के मार्गदर्शन में डॉक्टरों, मनोचिकित्सकों, नर्सों और कर्मचारियों ने लगातार उपचार, परामर्श और देखभाल जारी रखी। धीरे-धीरे उसकी मानसिक स्थिति में सुधार हुआ और उसने अपना नाम विजय (परिवर्तित नाम) बताया, लेकिन उसे अपने गांव और परिवार की जानकारी याद नहीं थी।मनोचिकित्सा नर्स मानसी ओझाले ने धैर्यपूर्वक उसे कॉपी और पेन देकर कई बार जानकारी लिखवाई। इन प्रयासों से पता चला कि वह उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले का निवासी है। इसके बाद अस्पताल के समाज सेवा विभाग के अधीक्षक नितिन शिवदे ने गौरी बाजार पुलिस और ग्राम पंचायत से संपर्क किया। जांच में सामने आया कि विजय पिछले 22 वर्षों से लापता था। उसके जीवित होने की सूचना मिलते ही परिवार खुशी से भावुक हो उठा।

इसके बाद कई वीडियो कॉल के माध्यम से विजय और उसके परिजनों की बातचीत कराई गई। अंततः परिजन ठाणे पहुंचे और विजय को अपने साथ घर ले गए। गांव में उसकी भव्य अगवानी की गई, जुलूस निकाला गया और मिठाइयां बांटकर खुशियां मनाई गईं।इस पूरी प्रक्रिया में डॉ. संदीप दिवेकर, डॉ. फैजान खान, डॉ. सुनील भडांगे, परिचारक विष्णु भोईर और प्रल्हाद वाघमारे सहित अस्पताल की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. नेताजी मुलीक ने कहा कि उचित उपचार, धैर्य और मानवीय सहयोग से मानसिक रोगी भी सामान्य जीवन में लौट सकता है।

केडीएमसी के फार्मासिस्ट पर अनुशासनात्मक कार्रवाई

कल्याण. केडीएमसी के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत फार्मासिस्ट अनिल शिरपूरकर पर कथित दोहरा आर्थिक लाभ लेने के मामले में मनपा आयुक्त अभिनव गोयल ने अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए उनकी एक वार्षिक वेतनवृद्धि एक वर्ष के लिए अस्थायी रूप से रोकने का आदेश जारी किया है। जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र नागरी सेवा (आचरण) नियम, 1979 के तहत सरकारी कर्मचारी सेवा में रहते हुए किसी अन्य माध्यम से आर्थिक लाभ नहीं ले सकता। जांच में पाया गया कि अनिल शिरपूरकर ने केडीएमसी कर्मचारी होने के बावजूद डोंबिवली के भोपर-देसलेपाड़ा स्थित अपने व्यावसायिक गाले (दुकान) को किराये पर दिया और वेतन के साथ किराये के रूप में भी आर्थिक लाभ प्राप्त किया। प्रकरण की जांच के बाद प्रशासन ने माना कि शिरपूरकर ने महाराष्ट्र नागरी सेवा (आचरण) नियम, 1979 के नियम 17(2) का उल्लंघन किया है। कारण बताओ नोटिस के जवाब में दिए गए उनके स्पष्टीकरण को भी प्रशासन ने अस्वीकार कर दिया।

अंबरनाथ में 3.5 किलो गांजा जब्त

■ **86 हजार का गांजा बरामद, एक गिरफ्तार**

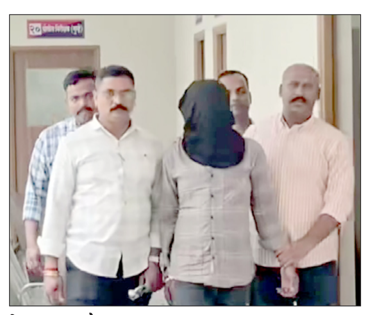

अंबरनाथ. अंबरनाथ पुलिस ने एक स्कूल के पास शास्त्री नगर परिसर में छापा मारकर एक घर से साढ़े तीन किलो गांजा जब्त किया है. जिसमें दो आरोपी के नाम सामने आए हैं. एक आरोपी आशीष मारुति गायकवाड़ को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. गांजे की कीमत 86 हजार 425 रुपए बताई गई है. अंबरनाथ पुलिस को गुप्त खबर मिलने के बाद साउथ इंडियन स्कूल के पास शास्त्री नगर से ये मादक पदा3र्थ जब्त किया गया है. पकड़े गए आरोपी का पिता भी पुलिस रिकार्ड पर अपराधी था. जिसकी मौत हो गई है, ऐसा पुलिस ने बताया है.

आरोपी आशीष ने पुलिस को बताया कि उसने ये गांजा उल्हासनगर-3 के संजय नगर से अशोक रोकडे.से खरीदा था और बेचने के लिए अपने घर में रखा था. आशीष के पास से प्लास्टिक की छोटी-छोटी थैलियां भी पुलिस ने जब्त किया है, जिसमें वह गांजा पैक करके बेचने वाला था. पुलिस दो पर एनडीपीएस एक्ट के अनुसार अपराध दर्ज किया है. अंबरनाथ पुलिस ने शहर से मादक पदार्थ के खात्मे के लिए एक खास पुलिस पथक बनाया है, जिसने शहर के सिद्धार्थ नगर, गांधी नगर में कार्रवाई करके लाखों का मादक पदार्थ जब्त करके आरोपियों पर कार्रवाई की है. शास्त्री नगर में पुलिस ने जो कार्रवाई की है, उसे खास इसलिए कहा जा सकता है कि यहां पर दो प्रख्यात स्कूल, साउथ इंडियन और फातिमा स्कूल के हजारों छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं. पुलिस ने ये कार्रवाई 18 जुलाई शनिवार को की है.

भिवंडी में छत्रपति शिवाजी महाराज महाराजस्व समाधान कैंप 22 जुलाई से

भिवंडी. राजस्व विभाग को और ज़्यादा ट्रांसपेरेंट और डायनैमिक बनाने के लिए, रेवेन्यू सिस्टम की जानकारी नागरिकों तक पहुंचाने और अलग-अलग सरकारी सर्टिफिकेट देने के लिए राज्य में अप्रैल और मई में राज्य लेवल पर छत्रपति शिवाजी महाराज महाराजस्व समाधान कैंप लगाया गया था। इस पहल को नागरिकों से भारी रिस्पॉन्स मिलने के बाद, ज़मीनी स्तर पर आखिरी व्यक्ति तक पहुंचने के लिए, सरकार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन और पूर्व उपमुख्यमंत्री स्वर्गीय अजीतदादा पवार की जयंती के मौके पर 22 जुलाई से 02 अगस्त, 2026 तक किसी भी दिन राज्य के हर विधानसभा क्षेत्र में 'छत्रपति शिवाजी महाराज महाराजस्व समाधान कैंप' लगाने का ऐलान किया है।

■ **तहसीलदार ने की अपील**

इसके तहत भिवंडी पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में शुक्रवार, 24 जुलाई को धोबीतालाब के खुदाबक्श कम्युनिटी हॉल में महाराजस्व समाधान कैंप लगाया जाएगा। यह कैंप सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे के बीच लगेगा। कैंप ठाणे जिलाधिकारी कार्यालय और भिवंडी तहसीलदार कार्यालय की तरफ से लगाया जाएगा। तहसीलदार अभिजीत खोले ने बताया है कि इस कैंप में आधार कार्ड रजिस्ट्रेशन, करेक्शन, आयुष्मान भारत कार्ड, नया राशन कार्ड, गांव के लोगों को मालिकाना हक का सर्टिफिकेट बांटना, संजय गांधी निराधार योजना, घरकुल योजना, इनकम और रेजिडेंस सर्टिफिकेट, मुख्यमंत्री बलिराजा शेत/पाणंद सड़क, जीविता 7/12 कैंपेन, सरकारी जमीन पर रेजिडेंशियल कब्ज़ों को रेगुलर करना, फ्री मेडिकल चेक-अप, ब्लड डोनेशन कैंप वगैरह शामिल होंगे। तहसीलदार अभिजीत खोले ने बताया है कि भिवंडी के लोगों को इस कैंप में आना चाहिए और इसका फायदा उठाना चाहिए।

ठाणे में पेड़ व मुंब्रा में दीवार गिरी

ठाणे. ठाणे शहर में जहां एक पेड़ गिरने का मामला सामने आया है. तो वहीं मुंब्रा में इमारत की सुरक्षा दीवार गिरने की घटना हुई. पहली घटना ठाणे पश्चिम के कासारवडवली स्थित महावीर कल्पतरू सोसायटी के पास की है. जहां पार्क की गई दोपहिया वाहन पर पेड़ गिर पड़ा. दूसरी घटना मुंब्रा के शैलेश नगर, फास्ट ट्रैक के पास का है जहां क्रिस्टल अपार्टमेंट या सोसायटी की सुरक्षा दीवार का कुछ भाग गिर पड़ा.

आम सूचना

मैं श्री कृष्णा बुडुसा सातपुते सभी को सूचित कर रहा हूं कि फ्लैट 202, दूसरा माला, तिरुपति अपार्टमेंट, प्लाट नं.682, यू.नं. 33(पार्ट), चोपड़ा कोर्ट आयसीआयसी बैंक के पास, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 11बीआय004289800) उक्त प्रॉपर्टी श्री मुरली नानिकराम वलेच्छा व श्रीमती भारत मुरली वलेच्छा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 12.2.2026 सी.नं. 373 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री कृष्णा बुडुसा सातपुते

सीता का रोल मिलना नहीं था आसान

■ **साई पल्लवी बोलीं- की खुद को शुद्ध रखने की कोशिश**

नितेश तिवारी की रामायण इस साल की सबसे बड़ी फिल्म होने वाली है। फिल्म में साई पल्लवी सीता के रूप में नजर आएंगी। आज रामायण के ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर साई पल्लवी ने अपने किरदार ने बारे में बात की। साई पल्लवी ने कहा कि जितना मुमकिन हो सकता था उतना उन्होंने अपने आप को शुद्ध रखने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि वो सीता का रोल निभाने के लिए ध्यान लगाती थीं।

एक्टर्स के लिए मुश्किल होता है इस तरह का रोल पाना

साई पल्लवी ने कहा, 'एक्टर्स के लिए आसान नहीं होता है इस तरह का रोल पाना। क्योंकि एक देवी का रोल निभाना आसान नहीं है। जरूर कोई ऐसी टीम होगी जो इसे सबसे अच्छा वर्जन बनाने में अपना सब कुछ लगा रही होगी।'

सीता का रोल करने पर क्या बोलीं साई पल्लवी?

साई पल्लवी ने आगे कहा, 'मुझे नहीं लगता है कि मैंने सीता मां का रोल करना का फैसला किया है। ये कुछ ऐसा नहीं है कि जिसके पीछे आप जा सकते हैं या जिसके बारे में आप कुछ लिख या कह सकते हैं, इस तरह मैं ये रोल करना चाहती हूं। मैं बैठती थी और ध्यान लगाती थी और कहती थी कि सीता मां आप मेरे जरिए अभिनय करें। मेरे जरिए जो आएगा वो वही होगा जो आप इस फिल्म के लिए चाहेंगी।'

एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने अपने आपको जितना मुमकिन हो सकता था, उतना शुद्ध रखा है। उन्होंने कहा- मैं अपने आपको जितना हो सकता था उतना शुद्ध रखा है, कम से कम अपने विचारों में, मैंने इसे बिल्कुल निष्पक्ष रखने की कोशिश की है। तो मैं अपना बेस्ट वर्जन इस फिल्म में आपके लिए ला रही हूं।

भारी बारिश में सोनम वांगचुंग के सपोर्ट में युवा सड़कों पर उतरे

■ **भिवंडी में विरोध प्रदर्शन**

भिवंडी. पर्यावरणविद साइंटिस्ट सोनम वांगचुंग के NEET एग्जाम पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में भूख हड़ताल शुरू करने के बाद यह आंदोलन पूरे भारत में फैल गया। इस बीच, जहां सोनम वांगचुंग को जबरन अस्पताल में भर्ती कराने और सोमवार को संसद भवन पर हुए मार्च को कुचलने के विरोध में अलग-अलग जगहों पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं. वहीं भिवंडी शहर के छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर भारी बारिश में युवा पुरुष और महिलाएं सड़कों पर उतर आए और जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

एक युवा आर्यन गोसावी ने इस पर रिएक्शन दिया है कि युवा पुरुष और महिलाएं बिना किसी पॉलिटिकल पार्टी के सपोर्ट के सिर्फ एजुकेशन सिस्टम में फैले करप्शन के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए बाहर आए हैं। इस दौरान, प्रदर्शनकारियों ने सोनम वांगचुंग के सपोर्ट में नारे लगाए और केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इसके साथ ही RPI सेक्युलर पार्टी ने सब-डिविजनल ऑफिसर के ऑफिस के सामने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और धरना दिया।

इस बीच, भिवंडी कोर्ट के कुछ युवा वकीलों ने एड. अमोल कांबले के नेतृत्व में सब-डिविजनल ऑफिसर अमित सनप को ज्ञापन देकर अपना गुस्सा जाहिर किया है। शाम को कांग्रेस के जिला महासचिव पंकज गायकवाड़ ने काप अली में भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की आधी मूर्ति के सामने विरोध प्रदर्शन किया और केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

आम सूचना

इस आम सूचना द्वारा सभी को सूचित किया जाता है कि श्री सुनील विजय शिंदे व श्रीमती विद्या शिंदे की जायदाद रुम, ओपन प्लॉट, बैरक नं. 703 के सामने, हॉस्पिटल एरिया, उल्हासनगर-3. जिसका क्षेत्रफल 684 स्क्वायर फीट है। जिसका (प्रॉपर्टी नं. 26बीओ020773000) है। इस जायदाद के बिक्री का सौदा हमारे श्रीमती सीमा नंदलाल साहू व श्री नंदलाल गंगाराम साहू के साथ हुआ है।

अगर उपरोक्त जायदाद या उसके किसी हिस्से के लिए किसी भी व्यक्ति को मोरोसी हक, वास्ता जैसे कि बिक्री नामा, गिरवी नामा, बक्षीस नामा, वसीयत नामा व कब्जा इत्यादि हो तो अथवा किसी भी व्यक्ति या संस्था/बैंक को ऐसे दूसरे किसी किस्म की आपत्ति (ऐतराज) हो वह लेखी में पूरे सबूतों के साथ इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 15 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पत्ते पर अपनी आपत्ति सबूतों के साथ समय पर भेजे। अन्यथा दूसरी हालत में आम सूचना के समय पूरे होने के बाद उपरोक्त जायदाद का सौदा पूरा कर पंजीकृत किया जाएगा और कोई भी आपत्ति या दावा सुना नहीं जाएगा।

सही/-
श्रीमती सीमा नंदलाल साहू व
श्री नंदलाल गंगाराम साहू तथा
श्री विजय रुपानी

आम सूचना

इस आम सूचना द्वारा सभी को सूचित किया जाता है कि श्री हिरालाल करमचंद केलानी व श्रीमती नीलम हिरालाल केलानी की जायदाद फ्लैट नं. 402, चौथा माला, सनसिटी, प्लॉट नं. 14/24, यू.नं. 75 व 76, शीट नं. 49, सीटीएस नं. 9482(पार्ट) व 9483(पार्ट), सपना गार्डन के पास, उल्हासनगर-3. जिसका क्षेत्रफल 1517 स्क्वायर फीट बिल्टप है। रजि नं. 2578/2026 दि.13.2.2026 जिसका (प्रॉपर्टी नं. 28बीआय019689300) व बिजली ग्राहक नं. 021513077944 है। इस जायदाद के बिक्री का सौदा हमारे श्री हीरो अशोक बोधा व श्रीमती नैना हीरो बोधा के साथ हुआ है।

अगर उपरोक्त जायदाद या उसके किसी हिस्से के लिए किसी भी व्यक्ति को मोरोसी हक, वास्ता जैसे कि बिक्री नामा, गिरवी नामा, बक्षीस नामा, वसीयत नामा व कब्जा इत्यादि हो तो अथवा किसी भी व्यक्ति या संस्था/बैंक को ऐसे दूसरे किसी किस्म की आपत्ति (ऐतराज) हो वह लेखी में पूरे सबूतों के साथ इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 15 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पत्ते पर अपनी आपत्ति सबूतों के साथ समय पर भेजे। अन्यथा दूसरी हालत में आम सूचना के समय पूरे होने के बाद उपरोक्त जायदाद का सौदा पूरा कर पंजीकृत किया जाएगा और कोई भी आपत्ति या दावा सुना नहीं जाएगा।

सही/-
श्री हीरो अशोक बोधा व
श्रीमती नैना हीरो बोधा
फ्लैट नं. 38, राजू सोसायटी, सेक्शन 17,
सपना गार्डन के पास, उल्हासनगर-421003.
फोन- 9822045566 / 9322233577

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099